

सम्पादकीय

उप्र का अनुपूरक बजट

योगी सरकार ने 28 हजार 760 करोड़ 67 लाख रुपये का अनुपूरक बजट पेश किया। बजट में इनप्रेडेकलमेन्ट और इनजीरी पर ज्यादा ध्यान दिया गया है। राजस्व लेखा के लिये और 971428.27 लाख राजस्व लेखा व्यय के लिये रक्खा गया है। बजट में राजस्व लेखा का खर्च 4639 करोड़ और पूरी लेखा का व्यय 9714 करोड़ बताया गया है। बजट किसानों के लिये उदारता दियाते हुए उनको मुफ्त बिजली देने के लिये 900 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। किसानों में गता बकाया को लेकर बहुत असरोंप्रद रहता है। इसे दूर करने के लिये गता बकाया मद में 400 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है। बिजली व्यवस्था जिसमें बहुत गड़बड़ी पाई जाती है उसे सुधारने के लिये 9193 करोड़ की व्यवस्था की गई है। योगी जी और प्रधानमंत्री दोनों धर्म और संस्कृति के हितवारी है। योगी जी और प्रधानमंत्री दोनों धर्म और संस्कृति के उद्यम पर तमाम व्यस्ताओं के बीच समय निकाल देते रहते हैं। उनमें केवल बजट एवं व्यवस्था पालन ही नहीं तरह शद्दा रहती है। अनुपूरक बजट में धार्मिक स्थलों के विकास के लिये भी ध्यान रखा गया। इसी आस्था से उद्देशित हो आयोग्या में राममोत्सव के लिये 100 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है।

बजट में नवी योजनाओं के लिये 7421 करोड़ 21 लाख रुपये आवान्ति देता है। चालू योजनाओं के लिये 21 हजार 339 करोड़ का प्रावधान मांगा गया है। धार्मिक पर्यटन में को राज्य बढ़ाने के लिये योगी सरकार कार्यवाही ध्यान दे रही है। अयोग्या में जरूरी समाजिक व्यवस्था का कार्य चला है और बनास में धार्मिक उत्तमता का आयोग बढ़ा है। पर्यटकों की संख्या देवादिन बहुती जा रही जा रही है। इसे ध्यान में रखते हुए नवी योजनाओं में इसका ध्यान रखा गया है। इसीलिये 7421 करोड़ की मांग रखी गयी है।

खाद और बीज विवरण को लेकर किसानों में कार्य असरोंप्रद रखा जाता है। इसे दूर करने के लिये तथा उहरे राहत देने के लिये सहायी समितियों को दस दस लाख रुपये का कर्ज व्याज मुक्त दिये जाने का प्रावधान रखा गया है। सरकारिता मिलों और गता किसानों पर इसे उद्यग से ध्यान दिया गया है। माहिलाओं पर ध्यान देने के लिये भाजपा सरकार और भाजपा शासित राज्य उनके लिये कई कदम उठाये हैं जिससे समाजिक और धार्मिक गतिविधियों में उनका सहयोग बढ़े। योगी सरकार ने 60 वर्ष से ऊपर की महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा का तोहफ दिया है। महिलाओं हार्दिक हैं। अयोग्या में मुफ्त यात्रा करने की योजना अभी से बनाने लगी है। अयोग्या में अन्य यात्रा करने की योजना जारी है। लगता है प्राणप्रतिष्ठा के पहले ही पूरा प्रदेश रामयन हो जायेगा।

बिजली वितरण व्यवस्था प्रसरण में कार्य लचार चल रही है। इस सुधारने के लिये 9193 करोड़ की अतिरिक्त व्यवस्था की गई है। इसके अन्तर्गत तार से लेकर द्रास्टर्सपर व्यवस्था में सुधार किया जायेगा। बिजली जारी करने के लिये गत 28 हजार में बोरे चली गयी। गमियों में बिजली की खपत बढ़ जाती है। अनुमान है इस गमीं में 30 हजार में बोरे चली गयी। अप्रैल से लेकर द्रास्टर्सपर व्यवस्था में सुधार किया जायेगा। बिजली जारी करने के लिये गत 1500 करोड़ और प्रदेश के नारीय बीजों एवं ऊर्जा और मठ में वितरण प्रणाली सुधारने के लिये 1028 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है।

प्रदेश के 16 शहरों में स्वस्कृत कूल खोले जायेंगे शिशा क्षेत्र के लिये 1551 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। छह क्षेत्रों की जलस्तर नहीं बन सकती है। अप्रैल और गोरखपुर में सरकारी होयोपैथिक मेडिकल कालेज, जल जीवन मिशन की तहत ग्रामीण में पाइप पेयजल योजना पर प्राथमिकता और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अवस्थाना सुधारिता के लिये अतिरिक्त धन की जलस्तर बतायी गयी है। कुल मिलाकर सभी लेखों के लिये बजट में कछु न कछु है। अगर सभी लेखों का व्यवहार कर देते हैं तो समाज ही उसे गलत ठहरा कर चुप करा देता है। ऐसे में यदि किसी लड़की के साथ किसी प्रकार की कृषि की जिसका नाम नहीं है तो वह इसके लिये इस विकास की महत्वपूर्ण भूमिका है।

पूरी दुनिया में एक अख लोग विकलांगता के शिकायत हैं। जिनमें से 80 प्रतिशत विकासशील देशों में हैं। अधिकांश देशों में हैं दस व्यक्तियों में से एक व्यक्ति शारीरिक या मानसिक रूप से विकलांगता के लिये गत 28 हजार में बोरे चली गयी है। अनुमान है इस गमीं में 30 हजार में बोरे चली गयी है। अप्रैल से लेकर द्रास्टर्सपर व्यवस्था में सुधार किया जायेगा। बिजली जारी करने के लिये गत 1500 करोड़ और प्रदेश के नारीय बीजों एवं ऊर्जा और मठ में वितरण प्रणाली सुधारने के लिये 1028 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है।

बजट एक नजर में: 28760 करोड़ का बजट ही नये जोनेकर के लिये लगभग 7000 करोड़, चालू प्रोजेक्ट के लिये लगभग 10000 करोड़ धार्मिक स्थलों के विकास के लिये प्रावधान रखा गया है। स्टेट कैपिटल रीजन के लिये भी धन की व्यवस्था है। बजट में इनप्रेडेकलमेन्ट और इनजीरी पर ज्यादा ध्यान केन्द्रित किया गया है।

पुरुषार्थ साथ हो तो विकलांगता कार्य सिद्धि में बाधक नहीं

मुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

किन्तु बिहार उड़ीसा जैसे गरीब राज्यों जहां गरीबी के कारण विकलांगों का प्रतिशत और विकलांगता के कारण होने वाला कष्ट ज्यादा है, वहां इस प्रकार की संस्थाओं की सहायता बहुती है। अप्रैल और गोरखपुर में सरकारी होयोपैथिक मेडिकल कालेज, जल जीवन मिशन की तहत ग्रामीण में पाइप पेयजल योजना पर प्राथमिकता और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अवस्थाना सुधारिता के लिये अतिरिक्त धन की जलस्तर बतायी गयी है। कुल मिलाकर सभी लेखों के लिये बजट में कछु न कछु है। अगर सभी लेखों का व्यवहार कर देते हैं तो समाज ही उसे गलत ठहरा कर चुप करा देता है। ऐसे में यदि किसी लड़की के साथ किसी प्रकार की कृषि की जिसका नाम नहीं है तो वह इसके लिये इस विकास की महत्वपूर्ण भूमिका है।

पूजा गोस्वामी के लिये गत 28 हजार में बोरे चली गयी है। अप्रैल से लेकर द्रास्टर्सपर व्यवस्था में सुधार किया जायेगा। बिजली जारी करने के लिये गत 1500 करोड़ और प्रदेश के नारीय बीजों एवं ऊर्जा और मठ में वितरण प्रणाली सुधारने के लिये 1028 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है।

प्रदेश के 16 शहरों में स्वस्कृत कूल खोले जायेंगे शिशा क्षेत्र के लिये 1551 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। छह क्षेत्रों की जलस्तर नहीं बन सकती है। अप्रैल और गोरखपुर में सरकारी होयोपैथिक मेडिकल कालेज, जल जीवन मिशन की तहत ग्रामीण में पाइप पेयजल योजना पर प्राथमिकता और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अवस्थाना सुधारिता के लिये अतिरिक्त धन की जलस्तर बतायी गयी है। कुल मिलाकर सभी लेखों के लिये बजट में कछु न कछु है। अगर सभी लेखों का व्यवहार कर देते हैं तो समाज ही उसे गलत ठहरा कर चुप करा देता है। ऐसे में यदि किसी लड़की के साथ किसी प्रकार की कृषि की जिसका नाम नहीं है तो वह इसके लिये इस विकास की महत्वपूर्ण भूमिका है।

प्रदेश के 16 शहरों में स्वस्कृत कूल खोले जायेंगे शिशा क्षेत्र के लिये 1551 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। छह क्षेत्रों की जलस्तर नहीं बन सकती है। अप्रैल और गोरखपुर में सरकारी होयोपैथिक मेडिकल कालेज, जल जीवन मिशन की तहत ग्रामीण में पाइप पेयजल योजना पर प्राथमिकता और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अवस्थाना सुधारिता के लिये अतिरिक्त धन की जलस्तर बतायी गयी है। कुल मिलाकर सभी लेखों के लिये बजट में कछु न कछु है। अगर सभी लेखों का व्यवहार कर देते हैं तो समाज ही उसे गलत ठहरा कर चुप करा देता है। ऐसे में यदि किसी लड़की के साथ किसी प्रकार की कृषि की जिसका नाम नहीं है तो वह इसके लिये इस विकास की महत्वपूर्ण भूमिका है।

प्रदेश के 16 शहरों में स्वस्कृत कूल खोले जायेंगे शिशा क्षेत्र के लिये 1551 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। छह क्षेत्रों की जलस्तर नहीं बन सकती है। अप्रैल और गोरखपुर में सरकारी होयोपैथिक मेडिकल कालेज, जल जीवन मिशन की तहत ग्रामीण में पाइप पेयजल योजना पर प्राथमिकता और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अवस्थाना सुधारिता के लिये अतिरिक्त धन की जलस्तर बतायी गयी है। कुल मिलाकर सभी लेखों के लिये बजट में कछु न कछु है। अगर सभी लेखों का व्यवहार कर देते हैं तो समाज ही उसे गलत ठहरा कर चुप करा देता है। ऐसे में यदि किसी लड़की के साथ किसी प्रकार की कृषि की जिसका नाम नहीं है तो वह इसके लिये इस विकास की महत्वपूर्ण भूमिका है।

प्रदेश के 16 शहरों में स्वस्कृत कूल खोले जायेंगे शिशा क्षेत्र के लिये 1551 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। छह क्षेत्रों की जलस्तर नहीं बन सकती है। अप्रैल और गोरखपुर में सरकारी होयोपैथिक मेडिकल कालेज, जल जीवन मिशन की तहत ग्रामीण में पाइप पेयजल योजना पर प्राथमिकता और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अवस्थाना सुधारिता के लिये अतिरिक्त धन की जलस्तर बतायी गयी है। कुल मिलाकर सभी लेखों के लिये बजट में कछु न कछु है। अगर सभी लेखों का व्यवहार कर देते हैं तो समाज ही उसे गलत ठहरा कर चुप करा देता है। ऐसे में यदि किसी लड़की के साथ किसी प्रकार की कृषि की जिसका नाम नहीं है तो वह इसके लिये इस विकास की महत्वपूर्ण भूमिका है।

प्रदेश के 16 शहरों में स्वस्कृत कूल खोले जायेंगे शिशा क्षेत्र के लिये 1551 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। छह क

पर्यटन स्थल

प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए बेस्ट हैं राजस्थान की ये जगहें, जिंदगी भर नहीं भूलेंगे आप

अगर आपको भी शादी होने वाली है और आप भी प्री वेडिंग शूट के लिए खूबसूरत जगहों की तलाश कर रहे हैं। हम आपको राजस्थान की कुछ बेहद खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जो आपके प्री-वेडिंग शूट में रोमांटिक टच देने का काम करेंगे।

हम सभी यादों को केट करने के लिए तस्वीरें लेते हैं। वहीं शादी के पलों को खासों की यादों में सजाना चाहते हैं। जैसे शादी से पहले प्री-वेडिंग फोटोशूट, पोर्ट्रे वेडिंग शूट, मैटरनीटी शूट करवाते हैं। जिससे कि इन तस्वीरों को हम जब भी देंगे, तो इन खूबसूरत पोर्ट्रे को यादक मुक्का कर सकते हैं। इस सब के बीच आजकल के कपल्स प्री वेडिंग फोटोशूट करवाना पसंद करते हैं।

ऐसे में अगर आपकी भी शादी होने वाली है और आप भी प्री वेडिंग शूट में आपको कई ऐसी लोकेशन मिलेंगी। जो आपको रोमांटिक फोटो देने का काम करेंगे। तो आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में जहां पर आप प्री-वेडिंग शूट करवा सकते हैं।



मंडवा

आर्टिकल के जरिए हम आपको राजस्थान की कुछ बेहद खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे आपको इन तस्वीरों के लिए जाने जाने वाले मंडवा रिच मर्टिंग के लिए जापी जाया फैसला है। रणकुपुर में कई ऐसी जगहें हैं, जो आप जहां पर आप प्री-वेडिंग शूट करवा सकते हैं।

अपनी खूबसूरत नकाशी और वृत्तियों वाली हवेलियों के लिए जाने जाने वाले मंडवा रिच मर्टिंग के लिए जापी जाया फैसला है। ऐसे में आपको रोमांटिक फोटोशूट करवा सकते हैं। शादी के सीजन में कई कपल्स यहां पर आपको खूबसूरत बनाने का काम करते हैं।

राजस्थान का बंदरी शहर अपने भव्य महलों के लिए पूरी दृश्याया में फैलता है। यह हवेलियाँ औंचे महलों की छतों पर आपको रोमांटिक फोटोशूट करवा सकते हैं। शादी के सीजन में आप यहां पर फोटोशूट करवा सकते हैं। जब भी आपको खूबसूरत बनाने का काम करना चाहते हैं, तो वह आइए जानते हैं कि यह आपके लिए खूबसूरत पोर्ट्रे को यादक मुक्का कर सकते हैं।

शेखावाटी एरिया

आपको बता दें कि शेखावाटी एक ओपन एयर आर्ट गैलरी है। यहां की हवेलियों में खूबसूरत पोर्ट्रे हो रही है। प्री-वेडिंग शूट के लिए यह लोकेशन सबसे बेस्ट है। ऐसे में यहां पर प्री-वेडिंग शूट में चार चांद लाने का काम करोगा।

राघवपुर

राजस्थान का भरतपुर अपने नेचर और वाइल्डलाइफ के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर आप भी प्री-वेडिंग शूट में वाइल्डलाइफ और नेचर का टच देना चाहते हैं, तो वह जगह पर आप प्री-वेडिंग शूट करवा सकते हैं।

भरतपुर

राजस्थान का भरतपुर अपने नेचर

और वाइल्डलाइफ के लिए जाना

जाता है। ऐसे में अगर आप भी प्री-

वेडिंग शूट में वाइल्डलाइफ और

नेचर का टच देना चाहते हैं, तो वह

जगह पर आपको खूबसूरत

लोकेशन का काम करना चाहता है।

प्री-वेडिंग शूट करवा सकते हैं।

चिमसर

दरअसल, यह गांवनुमा एक रिजॉर्ट है। यह जगह खूबसूरत किले और थार डेजर्ट के लिए जानी जाती है। यह जगह अपनी खूबसूरती के लिए काफी फैमस है। ऐसे में यहां पर प्री-वेडिंग शूट करवा सकता है।

कुम्भलगढ़

कुम्भलगढ़ दुर्ग राजस्थान के राजसमन्वय ज़िले में स्थित एक दुर्ग है। हांतार्मुखी इस जगह को लोगों द्वारा काफी कम एक्सोलोट किया गया है। रणकुपुर में कई ऐसी जगहें हैं, जो आप जहां पर आप प्री-वेडिंग शूट करवा सकते हैं।

भैंसरोड़गढ़

कई कपल्स प्री-वेडिंग शूट के लिए जाना जाता है।

भैंसरोड़गढ़ आपको

निराश नहीं करेगा। भैंसरोड़गढ़ में

भरतपुर में आप लोहाबाज़ी के लिए जानते हैं।

भैंसरोड़गढ़ के लिए यह भी एक अच्छा

आंशन है।

भैंसरोड़गढ़ के लिए भी जाना जाता है।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

पंचगांवी के आसपास की पंच

पांडियों के ऊपर एक ज्ञानमुखीय पत्ता लगाया गया।

